विस्तृत पाठ-योजना-2

छात्राध्यापिका का नाम → अनुक्रमांक → 19
विषय → सामाजिक विज्ञान कक्षा →
उपविषय → सिंधु घाटी की सभ्यता अवधि →
दिनांक →

सामान्य उद्देश्य :-

1.) बच्चों की कल्पना शक्ति का विकास करना।

2.) जीवन की विभिन्न परिस्थितियों दशाओं और मानसिक अवस्थाओं से परिचित कराना।

3.) विद्यार्थीयों की ऐतिहासिक कुशलता का विकास करना।

4.) विद्यार्थीयों में सामाजिक अध्ययन की आदतों व कौशलों का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य :- 1.) विद्यार्थीयों को पूर्व की घटनाओं का ज्ञान कराकर वर्तमान से जोड़ना।

2.) छात्रों को समय चक्र का ज्ञान देना।

3.) छात्रों में राष्ट्रीय भाव जाग्रत करना।

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in
CamScanner

भावात्मक उद्देश्य :-

1.) छात्र सिंधु घाटी के विस्तार क्षेत्र को जानेंगे।
2.) छात्र प्राचीन नगरीय विकास को समझेंगे।
3.) छात्र सिंधु घाटी के विस्तार क्षेत्र को समझेंगे या जानेंगे।

क्रियात्मक उद्देश्य :-

1.) छात्रों को प्राचीनतम घटनाओं से संबंधित स्थलों एवं सीमाओं को मानचित्र पर समझाना व उनके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालना।
2.) छात्रों को ऐतिहासिक व इतिहास के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
3.) छात्रों को सिंधु सभ्यता के विषय में ज्ञान कराना।

शिक्षण विधियाँ एवं कौशल :-

सहायक सामग्री :- सामान्य सामग्री :- चाक, झाड़न, श्यामपट्ट संकेतक, इत्यादि।
विशिष्ट सामग्री :- चार्ट, फ्लैश कार्ड

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्राध्यापिका छात्रों का पूर्वज्ञान जाँचने के लिए निम्न प्रश्न पूछेंगी।

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in
CamScanner

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
1. विश्व की प्रसिद्ध सभ्यताएँ कौन - कौन सी हैं ?	1. मेसोपोटामिया की सभ्यता । 2. मिस्र की सभ्यता 3. चीन की सभ्यता 4. सिंधु घाटी की सभ्यता
2. सभ्यता क्या होती है ?	मनुष्य की जीवन शैली में क्रमिक विकास को सभ्यता कहते हैं ।
3. प्राचीन सभ्यता नदियों के किनारे ही क्यों विकसित हुई ?	क्योंकि प्राचीन कृषि और पशुपालन पर निर्भर होती थी
4. प्राचीन सभ्यताओं के आर्थिक आधार क्या होते थे ?	कृषि
5. सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में आप क्या जानते हैं	समस्यात्मक प्रश्न ?

उद्देश्य कथन :- बच्चों आज हम सिंधु घाटी की सभ्यता के बारे मे अध्ययन करेंगे ।

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CS CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
सिंधु घाटी सभ्यता का उद्भव और विकास	दुनिया की प्राचीनतम नदी घाटी सभ्यता में से एक हमारी सिन्धु घाटी सभ्यता है जिसका उद्भव एवं विकास सिंधु नदी के किनारे हुआ था। इसकी खोज भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा 1921-23 में की गई थी। इसका विकास सिंधु और घग्घर (प्राचीन सरस्वती) के किनारे हुआ। 1वीं शताब्दी में पहली बार जब लोगों ने पंजाब प्रांत में ईंटों के लिए मिट्टी की खुदाई की तब उन्हें वहाँ से बनी-बनाई ईंटें मिली जिसे लोगों ने भगवान का चमत्कार माना।	ध्यान से सुन रहे हैं। ध्यान-पूर्वक सुन रहे हैं।	

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
सिन्धुघाटी सभ्यता के क्षेत्र	शुरू में तो इस सभ्यता का क्षेत्र केवल सिंधु नदी तक ही समझा जाता था। लेकिन नवीनतम खोजो से यह सिद्ध होचुका है कि इसके अन्तर्गत पश्चिम में बलूचिस्तान पंजाब में रोपड़ राजस्थान में कालीबंगा एवं घोलावीरा गुजरात में लोथल इसी सभ्यता के क्षेत्र थे।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन रहे है।	
सिंधु घाटी सभ्यता के विकासकर्ता	इसी सभ्यता के विकासकर्ता कौन थे। इस पर विद्वानों में मतभेद है कुछ विद्वान भारत के मूल निवासी द्रविड को इस सभ्यता का जनक मानते है। परन्तु कुछ विद्वान आर्यों को इस सभ्यता के जनक मानते है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन रहे है।	?

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
नगरों के साक्ष्य	वर्तमान पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के किनारे मोहन-जोदड़ो नामक एक प्रसिद्ध नगर के अवशेष मिले हैं। इसी प्रकार पंजाब के रावी नदी के तट पर हड़प्पा नामक नगर के अवशेष मिले हैं। प्रथम बार नगरों के उदय के कारण इसे प्रथम नगरीकरण भी कहा जाता है	बच्चे ध्यान-पूर्वक सुन रहे हैं।	
नगर निर्माण योजना	इस सभ्यता की सबसे विशेष बात थी कि विकसित नगर निर्माण योजना। हड़प्पा तथा मोहन जोदड़ो दोनों नगरों के अपने दुर्ग थे जहाँ शासक वर्ग का परिवार रहता था		

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

शिक्षण बिन्दु	छात्र-अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
प्रसार काल	सिंधु घाटी की सभ्यता के जन्मदाताओं की तरह ही इसके प्रसार-काल पर भी विद्वानों में मतभेद है। प्रसिद्ध इतिहासकार 'मार्शल' के अनुसार सिंधु घाटी सभ्यता का समय 3250 ई० से पूर्व से 2750 ई० वी तक है। परन्तु इतिहासकार 'हिलर' के अनुसार खुदाई में प्राप्त वस्तुओं एवं अवशेषों के आधार पर इस सभ्यता को अवधि 2500 ई० वी पूर्व तक निर्धारित है आधुनिक इतिहासकार 'हिलर' के विचार से ज्यादा सहमत होते है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन रहे हैं। छात्र ध्यान-पूर्वक सुन रहे हैं।	

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CamScanner

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट कार्य
धार्मिक जीवन	हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एक मूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतीमा है। और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे। जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की।	छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।	

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CamScanner

पुनरावृत्ति :

सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की प्राचीनतम नदी घाटी सभ्यताओं में से एक है। भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा 1922-23 में की गई थी।

इस सभ्यता का क्षेत्र प्राचीन भारतीय भारत के उत्तर पार्श्वमी क्षेत्र के विस्तृत भू-भाग में फैला हुआ था। सिंधु घाटी सभ्यता के विकासकर्ता कौन थे, विद्वानों में मतभेद है। कुछ विद्वान भारत के मूल निवासी द्रविड को मानते हैं।

यह सभ्यता के प्रसारकाल पर भी विद्वानों में मतभेद हैं। मार्शल के अनुसार इस सभ्यता का समय 3250 ई० पूर्व से 2750 ई० पूर्व तक है।

'हिलर' के अनुसार 2500 ई० से 1700 ई० तक निर्धारित है।

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CamScanner

गृहकार्य :-

1. बच्चों सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में आपको कितना समझ आया विस्तार पूर्वक लिखकर लाइए।
2. सिंधु घाटी सभ्यता के विकास के बारे में लिखकर लाइए

संदर्भ :- N.C.E.R.T कक्षा - VII
सामाजिक अध्ययन (हमारे अतीत)

निरीक्षण हस्ताक्षर :-

Lesson Presented.

groupoftutors.in

For More, Visit www.groupoftutors.in

CS CamScanner